राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

नये वर्ष में उच्च शिक्षा के विकास–प्रयासों को तेज किया जाएगा तथा उच्च शिक्षा–विकास का 'ब्लू प्रिंट' तैयार करने हेतु ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों का सम्मेलन राजभवन में होगा–राज्यपाल

पटना, 31 दिसम्बर 2018

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री लाल जी टंडन ने प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह को राज्य में उच्च शिक्षा के विकास हेतु 'रोड मैप' की तैयारी हेतु देश के अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों का एक सम्मेलन राजभवन में आयोजित करने का निदेश दिया है।

राज्यपाल ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता–विकास के लिए अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त शिक्षाविदों का सम्मेलन राजभवन में आगामी 4 एवं 5 फरवरी, 2019 को आयोजित कराने का निदेश देते हुए सम्मेलन आयोजित करने के लिए पटना विश्वविद्यालय को संयोजकीय दायित्व प्रदान करने की कृपा की है। पटना विश्वविद्यालय के कुलपति ने शिक्षाविदों को आमंत्रित करने के क्रम में यू॰जी॰सी॰, नैक, रूसा, इग्नू, कौशल विकास विश्वविद्यालय, हरियाणा, महाराष्ट्र नॉलेज कॉरपोरेशन, नेशनल स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स, पटियाला आदि महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संस्थाओं/प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के वरीय अधिकारियों एवं महत्वपूर्ण शिक्षाविदों से संपर्क करना प्रारंभ कर दिया है।

इस दो–दिवसीय सम्मेलन में पूरी व्यापकता के साथ उच्च शिक्षा के सुधार–प्रयासों को गति प्रदान करने के लिए विशेषज्ञों की राय प्राप्त की जाएगी। सम्मेलन का केन्द्रीय विषय – ''Blueprint of Higher Education in Bihar'' होगा, जिसके दौरान दो दिनों के लगभग 12 सत्रों में उच्च शिक्षा एवं विश्वविद्यालयों से जुड़े विभिन्न विषयों पर आवश्यक चर्चा की जाएगी।

समारोह में उद्घाटन एवं समापन सत्रों के अलावा ग्रुप डिस्कशन के भी दो सत्र होंगे, जिसमें प्रतिभागी अपने सवालों के जवाब भी विशेषज्ञों से प्राप्त कर सकेंगे। सम्मेलन–आयोजन के संदर्भ में तैयार किये जा रहे प्रस्ताव के मुताबिक दो दिनों के 8 तकनीकी सत्रों में नैक प्रत्ययन, विश्वविद्यालयों में सुशासन (University Governance) विश्वविद्यालयों में वित्तीय प्रबंधन, नवाचार, उद्भावना (Incubation) एवं आचार (Ethics) विषयक सर्वोत्तम प्रथाएँ (Best Practices) नेशनल इंस्टीच्यूशनल रैंकिंग एवं संबंधित अन्य विषय, शोध–कार्यों में गुणवत्ता–विकास, UMIS का सफल कार्यान्वयन, विश्वविद्यालय में खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का गुणवत्ता–विकास जैसे कई महत्त्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा होगी।

आगे पृष्ठ...2 पर

ज्ञातव्य है कि राज्यपाल श्री टंडन ने इस वर्ष उच्च शिक्षा के विकास–प्रयासों को गति देने के लिए सभी कुलपतियों को पहले से ही सख्त निदेश दे रखा है। राज्यपाल श्री टंडन के निदेशानुरूप, विश्वविद्यालयों में विकास कार्यों के कार्यान्वयन हेतु स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण–निर्माण हेतु 'चांसलर एवार्ड' दिये जाने की भी घोषणा हुई है। इसके लिए प्रविष्टियों और अनुशंसाएँ प्राप्त करने हेतु विज्ञापन प्रकाशित करते हुए 'एवार्ड–वितरण' की कार्रवाई शीघ्र करने हेतु आवश्यक कार्रवाई की गई है।

इस वर्ष महामहिम राज्यपाल के निदेशानुरूप 'बी॰एड॰ पोस्ट एप्स' का कार्यान्वयन, 'च्वायस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम' का स्नातकोत्तर स्तर पर कार्यान्वयन, ऑनलाइन 25 सूत्री रिपोर्टिंग व्यवस्था का विकास, 'राजभवन संवाद' पत्रिका का प्रकाशन, सेमेस्टर सिस्टम का कार्यान्वयन, बी॰एड॰ संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन, बायोमैट्रिक उपस्थिति व्यवस्था का कार्यान्वयन, डिजिटल भुगतान की व्यवस्था, नियमित दीक्षांत समारोह का आयोजन, सी॰बी॰सी॰एस॰ के अनुरूप नये पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन, पुस्तकालयों एवं प्रयोगशालाओं के आधुनिकीकरण हेतु वित्तीय सहायता, गेस्ट फेकेल्टी की नियुक्ति, अंतरर्विश्वविद्यालयीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता 'तरंग' एवं खेलकूद प्रतियोगिता 'एकलव्य' का सफल आयोजन लोकशिकायत कोषांग का गठन, विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों की नियमित जाँच एवं अनुश्रवण हेतु तंत्र–विकास जैसे अन्य कई नवाचारीय प्रयोग विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में उच्च शिक्षा के सुधार हेतु किए गए हैं। इनके अतिरिक्त 'सेन्टर ऑफ एक्सेलेंस' के विकास तथा विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में 'वाई–फाई' के कार्यान्वयन का भी काम इस वर्ष उच्च शिक्षा के विकास हेतु कराया गया है।

राज्यपाल ने वर्ष 2019 में उच्च शिक्षा के विकास–प्रयासों को और अधिक तेज किये जाने पर जोर देते हुए सबके सहयोग की अपेक्षा की है।

.....